Downloaded from www.studiestoday.com

यूनिट 10

भुगतान शेष

स्मरणीय बिंदु:

- भुगतान शेष किसी देश के सामान्य निवासियों और शेष विश्व के बीच वस्तुओं, सेवाओं और परिसम्पत्तियों के लेन-देन का वार्षिक विवरण होता है।

भुगतान शेष के खाते

चालू खाता

इस खाते में वस्तुओं के निर्यात -आयात सेवाओं और चालू अंतरणो की प्राप्तियों व भुगतान के विवरण दर्ज होते है।

पूंजी खाता

इस खाते में परिसम्पत्तियों जैसे मुद्रा स्टॉक, बंध पत्र आदि अर्थात् किसी अर्थव्यवस्था और शेष विश्व के बीच परिसम्पत्तियों के स्वामित्व का हस्तांतरण शामिल होते है

चालू खाते मदें

1. दृश्य मदें (वस्तुओं का आयात-निर्यात)
2. अदृश्य मदें (सेवाओं का व्यापार)
3. एक पक्षीय अंतरण

चालू खाते की मदे संपत्ति तथा दायित्वों पर कोई प्रभाव नही डालती

पूंजी खाते की मदें

1. प्रत्यक्ष विदेशी निवेश
2. ऋण
3. पोर्टफोलियो निवेश
4. बैकिंग पूंजी सौदे

पूंजी खाते की मदें सम्पत्ति व दायित्वों में परिवर्तन लाते है।

- व्यापार संतुलन किसी देश के सामान्य निवासियों और शेष विश्व के बीच दृश्य मदों (वस्तुओं) के आयात तथा निर्यात का अंतर होता है।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

- **स्वायत्त सौदों** से अभिप्राय उन आर्थिक लेन देनों से है जिन्हें लाभ के उद्देश्य से किया जाता है इनका उद्देश्य भुगतान शेष खाते में संतुलन बनाए रखना नही होता। इन्हे रेखा से ऊपर की मदें कहा जाता है।

- **समायोजक मदे** वे आर्थिक सौदे है जिन्हें किसी देश की सरकार द्वारा भुगतान शेष को संतुलित बनाए रखने के लिए किया जाता है, इनका उद्देश्य भुगतान शेष खाते के असंतुलन को दूर करना होता है इन्हें रेखा के नीचे की मदें भी कहा जाता है।

- एक देश की करैंसी का जिस दर पर दूसरे देश की करेंसी से विनिमय किया जाता है उसे विदेशी विनिमय दर कहते है।

स्थिर विनिमय दर के गुण

1. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा
2. आर्थिक विकास हेतु दीर्घकालीन निवेश को बढावा
3. सट्टे अथवा प्रतिरक्षा की समाप्ति
4. आंतरिक स्थिरता

स्थिर विनिमय दर के दोष

1. अंतर्राष्ट्रीय निधि के स्टॉक की आवश्यकता
2. भुगतान संतुलन में स्वत: समायोजन का अभाव

- **लोचशील या नम्य विनिमय दर** का निर्धारण विदेशी विनिमय की मांग तथा पूर्ति की शक्तियों पर निर्भर करता है विदेशी विनिमय की मांग तथा नम्य विनिमय दर में विपरीत सम्बन्ध होता है। यदि विनिमय दर ऊंची है तो विदेशी विनिमय की मांग कम होगी इसके विपरीत स्थिति में विदेशी विनिमय की मांग अधिक की जाएगी।

- **विदेशी विनिमय की मांग के स्रोत**

1. विदेशों में वस्तुएं व सेवाऐं खरीदने के लिये
2. विदेशों में वित्तीय परिसंपत्तियाँ (जैसे बांड, शेयर) खरीदने के लिए
3. विदेशी मुद्राओं के मूल्यों पर सट्टेबाजी के लिये
4. विदेशी में प्रत्यक्ष निवेश (जैसे – दुकान, मकान, फैक्टरी खरीदना) के लिए
5. विदेशों में जाने वाले पर्यटकों की विदेशी विनिमय की मांग पूरी करने के लिए।

- विदेशी विनिमय की पूर्ति और विदेशी विनिमय दर में प्रत्यक्ष धनात्मक संबंध होता है यदि विदेशी विनिमय दर अधिक है विदेशी विनिमय की पूर्ति अधिक होगी और विपरीत अवस्था में विदेशी विनिमय की पूर्ति कम होगी।

- **विदेशी विनिमय की पूर्ति के स्त्रोत**

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(1) विदेशियों द्वारा घरेलू बाजार में प्रत्यक्ष (वस्तुओं व सेवाओं की) खरीद

(2) विदेशियों द्वारा प्रत्यक्ष निवेश

(3) विदेशी पर्यटको का हमारे देश में भ्रमण

(4) विदेशों में रहने वाले अनिवासी भारतीयों द्वारा भेजा गया धन या प्रेषणाएं

(5) वस्तुओं एवं सेवाओं का निर्यात

- **नम्य विनिमय दर के गुण**

(1) विदेशी मुद्राओं के भंडार की आवश्यकता नहीं

(2) संसाधनों का सर्वोत्तम आबंटन

(3) भुगतान संतुलन खाते में स्वत: समायोजन

(4) व्यापार और पूंजी के आवागमन में आने वाली रूकावटों को दूर करना

- **नम्य विनिमय दर के दोष**

(1) विदेशी विनिमय दर में अस्थिरता

(2) सट्टेबाजी को बढ़ावा

(3) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार और निवेश को हतोत्साहित करना

- देशीय मुद्रा का ह्रास तब होता है जब देशीय मुद्रा इकाईयों में विदेशी मुद्रा की कीमत में वृद्धि हो अर्थात देशी करैंसी की कीमत में गिरावट।
- मुद्रा अधिमूल्यन तब होता है जब देशीय मुद्रा की इकाइयों में विदेशी मुद्रा की कीमत कम हो जाये अर्थात देशीय करैसी की कीमत में विदेशी मुद्रा के रूप में वृद्धि।
- संतुलन नम्य विनिमय दर का निर्धारण उस स्तर पर होगा जहाँ विदेशी विनिमय के लिये मांग और विदेशी विनिमय की पूर्ति बराबर हो जाए।
- प्रबंधित तरणशीलता एक ऐसी प्रणाली है जिसमें केन्द्रीय बैंक विदेशी विनिमय दर के निर्धारण को बाजार शक्तियों पर छोड़ देता है परन्तु समय समय पर आवश्यकता के अनुसार दर को प्रभावित करने के लिए हस्तक्षेप भी करता है।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. व्यापार शेष से क्या अभिप्राय है?
2. भुगतान शेष को परिभाषित कीजिए।
3. व्यापार शेष में घाटा कब होता है?
4. व्यापार शेष में 300 करोड़ रूपये का घाटा है यदि निर्यात का मूल्य 500 करोड़ रूपये है तो आयात का मूल्य क्या होगा?
5. व्यापार शेष खाते की दो मदो के नाम लिखिए?
6. भुगतान संतुलन के पूंजी खाते की दो मदों के नाम लिखिए?
7. प्रबंधित तिरती विनिमय दर का अर्थ बताइए?
8. अदृश्य मदों से क्या अभिप्राय है?
9. एक पक्षीय अंतरणों से क्या अभिप्राय है।
10. स्वायत्त या स्वप्रेरित संव्यवहार किसे कहते है?
11. वे आर्थिक लेनदेन जो भुगतान शेष को संतुलित करने के उद्देश्य से सरकार द्वारा किए जाते है उन्हे किस नाम से जाना जाता है।
12. स्थिर विनिमय दर से क्या अभिप्राय है?
13. नम्य विनिमय दर से क्या अभिप्राय है?
14. नम्य विनिमय दर के दो गुण लिखो।
15. नम्य विनिमय दर के दो दोष लिखिए।
16. स्थिर विनिमय दर के दो गुण लिखिए।
17. स्थिर विनिमय दर के दो दोष लिखिए।
18. विदेशी विनिमय के मांगवक्र का आकार कैसा होता है?
19. विदेशी विनिमय के पूर्ति वक्र का आकार कैसा होता है?
20. यदि विदेशी विनिमय दर बढ़ जाती है तो निर्यात पर क्या प्रभाव पड़ता है?
21. यदि विदेशी विनिमय दर कम हो जाती है तो आयात पर क्या प्रभाव पड़ता है?
22. मुद्रा अवमूल्यन से क्या अभिप्राय है।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

23. घरेलू मुद्रा के मूल्यह्रास से क्या अभिप्राय है?

24. मुद्रा का अधिमूल्यन से क्या अभिप्राय है?

H.O.T.S. (उच्च स्तरीय बुद्धि कौशल) 1 अंक वाले प्रश्न

26. किस अवस्था में मुद्रा का अवमूल्यन अर्थव्यवस्था के लिए उचित हो सकता है?

27. किस अवस्था में मुद्रा की तुलना में विदेशी मुद्रा की क्रय शक्ति बढ़ती है?

29. किस मद की सहायता से भुगतान संतुलन को संतुलित किया जा सकता है?

30. क्या भुगतान संतुलन सदैव संतुलित होता है।

3-4 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर संकेत

1. व्यापार शेष तथा भुगतान शेष में अंतर लिखिए।

2. भुगतान शेष के चालू एवं पूंजी खाते में अंतर बताइए।

3. भुगतान संतुलन में घाटे की पूर्ति किन स्रोतो से की जाती है?

4. भुगतान शेष खाते में स्वप्रेरित तथा समायोजक मदों में क्या अंतर है?

5. विदेशी विनिमय की मांग के तीन कारण दे।

6. विदेशी विनिमय की पूर्ति के प्रमुख स्रोत लिखिए।

7. विदेशी विनिमय दर तथा इसकी मांग में संबंध की व्याख्या कीजिए।

8. विदेशी विनिमय दर तथा इसकी पूर्ति के संबंध की व्याख्या कीजिए।

9. विदेशी विनिमय दर में वृद्धि होने पर विदेशी मुद्रा की मांग में कमी क्यों होती है?

10. विदेशी विनिमय दर में वृद्धि होने पर विदेशी मुद्रा की पूर्ति क्यों बढ़ती है?

11. विनिमय दर में कमी विदेशी विनिमय की मांग में क्यों वृद्धि करती है?

6 अंक वाले प्रश्नों के संकेत

1. भुगतान संतुलन में स्वायत्त संव्यवहार और समायोजित संव्यवहार के बीच अंतर समझाइए। इस संदर्भ में भुगतान संतुलन 'घाटा' की अवधारणा भी समझाइए।

2. भुगतान शेष खाता क्या है? उसके चालू खाते व पूंजी खाते प्रत्येक के तीन घटकों के नाम

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

बताइए?

3. व्यापार शेष किस प्रकार भुगतान शेष से भिन्न है? उन मदों का वर्णन करें जिन्हें व्यापार शेष में सम्मिलित नही किया जाता।

www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. एक अर्थव्यवस्था द्वारा शेष विश्व से एक वर्ष में दृश्य मदों के निर्यात व आयात का अंतर।

2. यह किसी देश के सामान्य निवासियों और शेष विश्व के बीच वस्तुओं, सेवाओं और परिसम्पत्तियों के लेन-देन का वार्षिक विवरण होता है।

3. जब दृश्य मदों का आयात मूल्य दृश्य मदों के निर्यात मूल्य से अधिक होता है।

4. 800 करोड़ रूपये।

5. दृश्य मदे जैसे घड़ी, पैट्रोल, इलैक्ट्रानिक मदें

6. (1) प्रताक्ष विदेशी निवेश

   (2) पोर्टफोलिओं निवेश

7. विदेशी विनिमय बाजार में केन्द्रीय बैंक के दखल से प्रभावित विनिमय दर।

8. अदृश्य मदों के अंतर्गत उन सेवाओं को शामिल किया जाता है जिनका किसी अर्थव्यवस्था द्वारा आयात व निर्यात किया जाता है।

9. ये वे अंतरण है जो एक देश से दूसरे देश को एक तरफा किये जाते है उनका व्यापारिक लेन देन से कोई संबंध नही होता है।

10. भुगतान शेष के चालू व पूंजी खाते में शेष विश्व से किए गए वे आर्थिक संव्यवहार जो काम के उद्देश्य से किये जाते है।

11. समायोजक संव्यवहार

12. यह विनिमय की वह दर है जिसका निर्धारण सरकार द्वारा किया जाता है तथा इसमें निश्चित दर में परिवर्तन का अधिकार भी सरकार को ही होता है।

13. यह विनिमय की वह दर है जो विदेशी विनिमय की मांग एवं पूर्ति की शक्तियों द्वारा ि निर्धारित होती है।

15. (1) अंतर्राष्ट्रीय निधि के स्टॉक की आवश्यकता न होना।

    (2) संसाधनों का अनुकूलतम आबंटन

16 (1) विदेशी विनिमय दर में अस्थिरता

   (2) सट्टेबाजी को बढ़ावा

17. (1) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(2) आंतरिक स्थिरता

18. (1) भुगतान संतुलन में स्वत: समायोजन का अभाव

(2) अन्तर्राष्ट्रीय निधि के स्टाक की आवश्यकता

19. ऋणात्मक ढाल वाला होता है।

20. धनात्मक ढाल वाला होता है।

21. निर्यात में वृद्धि होती है।

22. आयात में कमी आती है।

23. मुद्रा अवमूल्यन से अभिप्राय देशीय मुद्रा इकाइयों में विदेशी मुद्रा की कीमत में वृद्धि

24. घरेलू मुद्रा के मूल्य ह्रास से तात्पर्य सरकार द्वारा घरेलू मुद्रा के मूल्य में कमी करना अर्थात विदेशी मुद्रा के बदले देशीय मुद्रा की अधिक इकाइयां।

25. मुद्रा का अधिमूल्यन तब होता है जब देशीय मुद्रा की इकाइयों में विदेशी मुद्रा की कीमत कम हो जाए अर्थात देशीय करेंसी की कीमत में विदेशी मुद्रा के रूप में वृद्धि।

26. निर्यात संवर्धन हेतु

27. आयात प्रतिस्थापन हेतु

28. अंतराष्ट्रीय ऋणों द्वारा

30. लेखाकंन के दृष्टिकोण से यह सदैव संतुलित रहता है।

Downloaded from www.studiestoday.com